SA–04

December – Examination 2023

B.A. (Part II) Examination

SANSKRIT

(Gadya, Samas Prakaran Tatha Nibandh)

गद्य, समास प्रकरण तथा निबन्ध

Paper : SA-04

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **70***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **7×2=14**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) 'संख्यापूर्वो द्विगुः' सूत्र का अर्थ एवं एक उदाहरण दीजिए।

   (ii) अव्ययीभाव समास से आप क्या समझते हैं ? **दो** उदाहरण दीजिए।

   (iii) 'बाणभट्ट' की गद्य शैली की **तीन** विशेषताएँ अतिसंक्षिप्त रूप से लिखिए।

   (iv) 'भूतबलिः' पद का समास विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए।

   (v) 'शिवराजविजयम्' में कुल निःश्वासों की संख्या बताइए तथा नायक का नाम लिखिए।

   (vi) 'पदार्थानतिवृत्ति' अर्थ में अव्ययीभाव समास का उदाहरण दीजिए।

   (vii) लक्ष्मी ने निष्ठुरता किससे ग्रहण की है ?

खण्ड—ब **4×7=28**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 7 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी गद्य की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) अभिषेक समये एवैषां मङ्गलकलशजलैरिव प्रक्षाल्यते दाक्षिण्यम्, अग्निकार्यधूमेनैव मलिनीक्रियते हृदयम्, पुरोहितकुशाग्र सम्मार्जनीभिरिवापह्रियते क्षान्तिः उष्णीषपट्टः बन्धेनेवाच्छाद्यते जरागमनस्मरणम् आतपत्रमण्डलेनेवापसार्यते परलोकदर्शनम्। चामरपवनैरिव आपह्रियते सत्यवादिता। वेत्रदण्डैरिव उत्सार्यन्ते गुणाः। जयशब्दकलकलैरिव तिरस्क्रियन्ते साधुवादाः ध्वजपटपल्लवैरिव परामृश्यते यशः।

अथवा

(ब) भगवन् ! श्रूयताम् यदि कुतूहलम्। ह्य सम्पादितसाय-तनकृत्ये, अत्रैव कुशास्तरणमधितिष्ठते मयि, परित समासीनेषु छात्रवर्गेषु, धीरसमीर स्पर्शेन मन्दमन्दमान्दोल्यमानासु व्रततिषु, समुदिने यामिनी-कामिनी चन्दनबिन्दौ इव इन्दौ, कौमुदी कपटेन सुधा-धारामिव वर्षति गगने, अस्मिन्नीति वार्ता शुश्रूषुषु इव

मौनमाकलयत्सु पतंग कुलेषु, कैरव विकाश हर्षप्रकाश मुखरेषु चञ्चरीकेषु, अस्पष्टाक्षरम्, कम्पमान निःश्वासम्, श्लथत्कण्ठम् घर्घरितस्वनम्, चीत्कारमात्रम्, दीनतामयम्, अत्यवधानश्रव्यत्त्वादनुमितदविष्ठतम् क्रन्दनमश्रौषम्।

3. निम्नलिखित में से किसी गद्य की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

(अ) अपरे तु स्वार्थनिष्पादनतत्परैः धनपिशितग्रास-गृध्रैरास्थाननलिनीबकैर्ध्रुतं विनोद इति, परदाराभिगमनं वैदग्ध्यमिति मृगया श्रम इति पानं विलास इति, प्रमत्तता शौर्यमिति स्वदारपरित्यागितामव्यसनितेति, गुरुवचनावधीरणमपर- प्रणेयत्वमिति, अजितभृत्यता सुखोपसेव्यत्वमिति, नृत्य-गीत-वाद्य-वेश्याभिसक्तिः रसिकेति महापराधानाकर्णनं महानुभावतेति, परिभव-सहत्वं क्षमेति।

अथवा

(ब) तदाकर्ण्य विविध-भाव-भङ्ग-भासुर-वदनो योगिराजो मुनिराज तत्सहचरिश्च निपुण निरीक्ष्य, तेषामपि शिव-

वीरान्तरङ्गतामङ्गीकृत्य, मुनिवेष-व्याजेन स्वधर्मरक्षा-व्रतिनश्चोरीकृत्य "विजयता शिववीर सिद्धयन्तु भवता मनोरथा" इति मन्द व्याहार्षीत। अथ किमपिपिपृच्छिषामीति शनैरभिधाय बद्धकरसम्पुटे सोत्कण्ठे जटिलमुनौ-"अवगतम् यवन युद्धे, विजय भव, दैवादापद्ग्रस्तोऽपि खिचस साहाय्येनात्मानयुद्धरिष्यति" इति समभाणीत्।

4. 'शिवराजविजयम्' के आधार पर भास्कर वर्णन को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

5. 'शुकनासोपदेश' में तात चन्द्रापीड को मन्त्री शुकनास द्वारा दिए गए उपदेश की सार्थकता का प्रतिपादन वर्तमान सन्दर्भ में कीजिए।

6. 'बाणोच्छिष्टं जगत्सर्वं' की सूक्ति को बाण की रचनाओं के काव्य-शैली के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** सूत्रों की व्याख्या कीजिए :

   (i) अव्ययीभावे चाऽकाले

   (ii) कर्तृकरणे कृता बहुलम्

   (iii) पञ्चमी भयेन

   (iv) परवल्लिङ्ग द्वन्द्व-तत्पुरुषयोः

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** समस्त पदों की सूत्र निर्देशपूर्वक रूपसिद्धि कीजिए :

   (i) शाकपार्थिवः (ii) घनश्यामः

   (iii) युधिष्ठिरः (iv) नवरात्रम्

9. समास की परिभाषा देते हुए, समास के प्रकारों का नाम लिखिए तथा अव्ययीभाव समास का सूत्रोदाहरणपूर्वक उल्लेख कीजिए।

खण्ड—स **2×14=28**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 14 अंक का है।

10. 'गद्यं कवीनां निकषं वदन्ति' इस सूक्ति की विशद व्याख्या शुकनासोपदेश के सन्दर्भ में कीजिए।

11. शुकनासोपदेश के आधार पर युवावस्था के दोषों का वर्णन कीजिए।

12. शिवराजविजयम् के अनुसार तत्कालीन सामाजिक-व्यवस्था का वर्णन कीजिए।

13. निम्नलिखित में से किसी **एक** पर निबन्ध लिखिए :

(i) धर्मेण हीनाः पशुभिः समानाः

(ii) परोपकाराय सतां विभूतयः

(iii) पर्यावरण एवं सतत् विकासः

(iv) विकसितभारतदेशः 2047